ASTU के तृतीय दीक्षांत समारोह में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 19 जून 2023, रविवार	**समय : 10:55 AM**	**स्थान : श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी**

असम के माननीय मुख्यमंत्री एवं इस दीक्षांत समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जी,

प्रसिद्ध अंतरिक्ष विज्ञान शास्त्री, जल वायु विज्ञान शास्त्री, एवं भारतीय उष्णकटिबंधीय अंतरिक्ष संस्थान, पुणे के पूर्व निदेशक प्रो. भूपेंद्र नाथ गोस्वामी जी,

असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नरेंद्र एस चौधरी जी,

विश्व विद्यालयीय न्यायालय के कुलसचिव डॉ. देबोज्योति गोस्वामी जी,

विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद एवं शैक्षणिक परिषद के सम्मानित सदस्यगण

संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्यगण

अन्य सभी संकाय सदस्य, विशिष्ट अतिथिगण

मीडिया से हमारे मित्रगण

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकगण !

असम विज्ञान और प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। मैं अपने सभी स्नातकों, परास्नातकों एवं उनके परिवारजनों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ।

मेरे प्यारे विद्यार्थियों,

यह दीक्षांत समारोह आप सभी की महीनों और वर्षों की प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और दृढ़ता के सफल परिणाम का प्रतिबिम्ब है। यह प्रतिबिम्ब आपको बताने के लिए है कि आप सभी स्नातक हैं और उच्च मंचों में स्वयं को साबित करने एवं समाज तथा राष्ट्र के उत्थान की दिशा में कार्य करने के लिए पूर्णरूप से तैयार हैं। अब आप सभी पर देश एवं समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं आपके जीवन के इस नए चरण के लिए हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ।

मैं असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को आज अपना तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित करने के लिए भी बधाई देता हूँ। विश्वविद्यालय ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ने के लिए एक लंबा एवं संघर्षपूर्ण सफर तय किया है। मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय प्रतिबद्धता और उच्च मूल्यों के साथ अपना कार्य जारी रखेगा और सभी को अपने रचनात्मक प्रयासों के जरिए समाज में प्रगति लाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मित्रों,

शिक्षा की गुणवत्ता स्नातकों के निर्माण की प्रक्रिया के साथ स्थापित होती है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय उद्योग- संस्थानों की उपयोगिता आधारित संशोधित पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए अभियान्त्रिकी, प्रौद्योगिकी, औषधविज्ञान, वास्तुकला, कला एवं प्रबंधन आदि के महत्वपूर्ण व उपयोगी क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए कदम उठा रहा है।

शिक्षा में वैश्वीकरण के लिए बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करना समय की मांग है। यह अच्छी बात है कि विश्वविद्यालय ने पहले ही ऐसे कदम

उठाए हैं। मुझे यकीन है कि इस तरह के कदम विश्वविद्यालय को भारतीय तकनीकी शिक्षा में सबसे आगे लाएंगे।

मित्रों,

विश्वविद्यालय का मुख्य कार्य ज्ञान एवं कौशल विकास का प्रसार करना एवं, अनुसंधान एवं नवाचार की निरंतर अभिवृद्धि करना है। भारत का भविष्य हमारे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने की हमारी क्षमता पर निर्भर करता है।

अधिक समावेशी, समग्र एवं वैश्विक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा के उद्देश्य से ही, हमारी केंद्र सरकार ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) को लागू किया है। नई शिक्षा नीति संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को साकार करने की दिशा में एक कदम है। यह आने वाले समय के लिए बनाई गई नीति है, जो राष्ट्र के भावी विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देगा।

नई शिक्षा नीति 21वीं सदी की पहली ऐसी शिक्षा नीति है, जो पूर्व-प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक देश के शैक्षिक तंत्र का पुनर्निर्माण करने की दिशा में एक व्यापक योजना बनाती है। यद्यपि, इस नीति के क्रियान्वयन और अनुकूलन के लिए सभी को पूरी निष्ठा से कार्य करने की जरूरत है।

मेरा मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों को नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु इसकी मूल भावना को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति का निर्माण करना चाहिए।

नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय को तकनीकी क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा तथा इन्टर डिसिप्लिनरी तथा मल्टी डिसिप्लिनरी आयाम पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

इन प्रयासों में पूर्वोत्तर के विभिन्न प्रासंगिक मुद्दों को संबोधित करना एवम् क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए उनके उचित तकनीकी समाधानों पर ध्यान केंद्रित करना भी शामिल होना चाहिए।

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि विश्वविद्यालय वर्तमान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली की पहल के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा से असमिया भाषा में विभिन्न तकनीकी विषयों की पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद कर रहा है।

बंधुओं,

शिक्षक छात्र के जीवन की प्रेरक शक्ति हैं। वे छात्रों के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि छात्र राष्ट्र का भविष्य हैं। वे आपको आजीविका प्राप्त करने में मदद करते हैं, और इन सबसे ऊपर वे आपको समाज का अच्छा इंसान एवं देश का अच्छा नागरिक बनने में मदद करते हैं। इसलिए, मैं आपके सभी शिक्षकों को हृदय से धन्यवाद एवं बधाई देना चाहता हूँ ।

मैं स्नातकों एवं परास्नातकों के माता-पिता और परिवारजनों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। यह उनकी देखभाल, प्रेरणा और त्याग का ही परिणाम है, जिसके कारण उनके बच्चों ने इस सफलता को प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि है, जो हर्ष और गर्व के साथ मनाई जानी चाहिए है। हालाँकि, यह व्यक्तिगत उपलब्धि किसी अध्याय का समापन नहीं है, अपितु जीवन की लंबी, संघर्ष एवं चुनौतीपूर्ण यात्रा का प्रारंभ है।

यह प्रतिस्पर्धा का युग है, जो इस परिसर से बाहर की दुनिया में आपका इंतजार कर रहा है और इसके लिए आपको दृढ़ता से तैयार रहना है। आपकी शिक्षा और आपका कठिन परिश्रम आपकी ढाल और हथियार होंगें तथा आपको अपनी उपस्थिति को सार्थक बनाने के लिए प्रयास करना होगा। प्रतिस्पर्धा का दृढ़ता से सामना कर आप न केवल अपने लिए कुछ अमूल्य अर्जित करते हैं, बल्कि आप अपने विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित करते हैं।

प्रौद्योगिकी वर्तमान समाज के लिए एक वरदान है। संभवतः ऐसा तीव्र तकनीकी परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी की सर्वव्यापकता को मानव ने पहले नहीं देखा होगा। प्रौद्योगिकी ने प्रत्येक मानव गतिविधि में परिवर्तन ला दिया है। किस तरह से हम संवाद करते हैं और किस तरह से हम एक कार्यालय में कार्य करते हैं और कैसे हम अपने जीवन जीते हैं। सभी कुछ बदल गया है और ये सब तकनीकी विकास से ही संभव हुआ है। हालाँकि, हमने प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभावों को भी देखा है।

युवा इन तकनीकी सुविधाओं से अत्यधिक आकर्षित होता है। इसलिए मेरा परामर्श है कि आप सभी सुरक्षित भविष्य के लिए तकनीकी बदलावों को बुद्धिमतापूर्वक तरीके से ही अपने जीवन में अपनाएँ और प्रौद्योगिकी और सामाजिक पहलुओं के संयोजन के महत्व को भी बुद्धिमतापूर्वक समझें।

युवा स्नातकों के रूप में, आपको राष्ट्र का निर्माण करना होगा तथा समाज में भी सार्थक भूमिका निभानी होगी। आप मानव संसाधन के अत्यंत आवश्यक घटक हैं। इसलिए, आप क्षुद्र मुद्दों पर अपना समय बर्बाद नहीं करें।

प्रिय छात्रों,

सदैव अपने रचनात्मक और नेतृत्वपूर्ण गुणों को विकसित करने का प्रयास करें। आपसी सहयोग की भावना का पोषण करें। इसके साथ ही, उन लोगों की पहचान करने का भी प्रयास करें, जो आपको प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के प्रेरणादायक आचरणों को अपने व्यक्तिगत, शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में अपनाने का प्रयास करें।

एक और महत्वपूर्ण और आवश्यक गुण है आत्मनिरीक्षण करना। आप अपनी बुराइयों को खोजने तथा उन्हें सुधारने की क्षमता विकसित करें।

मित्रों,

हमेशा अपने कार्यों में, अपने चरित्र में तथा अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध होने की दिशा में कार्य करें। आप जैसे युवा एवं ऊर्जावान व्यक्ति ही हमारे देश को एक वैश्विक मान्यता दे सकते हैं।

मैं पुनः आप सभी को उपाधियाँ प्राप्त करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद !

जय हिन्द !